

24.2.22

पञ्जाबली पेशे इति नवील गरी उवा नवील गरी  
अस्य कलाप कि जशातु गान के तं अशितान  
के गरी का नात दुकान किता या उक्त ये  
उक्त के किरी उक्त की नोत कारनाही यी  
न्याटे ये उक्त इती लेक पद किता किता  
जावे शतः गरी का ना इती लेक पद इति  
किता कारा ये पञ्जाबली किता अत मीत का  
गामी उक्त के दाखिल इतल के ज

